Sixteenth Loksabha

an>

Title: Issue regarding menace caused by moneky and stray animals in Himachal Pradesh.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर): माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं उसी विषय पर बोलना चाहता हूँ, जिस विषय पर सभी लोग बातें करते हैं।

मैं एक पहाड़ी राज्य से आता हूँ। वहाँ किसानों की बहुत छोटी-छोटी जमीनें हैं। उनकी आय दुगुनी हो, यह प्रधानमंत्री जी का संकल्प है। चाहे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना हो, नीम कोटेड यूरिया हो या सिंचाई योजनाएँ हों, इन योजनाओं के लिए हजारों करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। लेकिन समस्या आवारा पशुओं के कारण है। बंदरों की समस्या के कारण अनेक खेत उजड़ जाते हैं।

राज्य सरकार ने इन आवारा और बेसहारा पशुओं को खेतों में जाने से रोकने के लिए मन्दिरों की आय से 15 से 20 प्रतिशत धनराशि की व्यवस्था की है। लेकिन, इससे प्राप्त होने वाली धनराशि कम है।

मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से निवेदन करता हूँ कि आवार-बेसहारा पशुओं और बंदरों के कारण जो समस्या है, जिसके कारण किसान खेती करना छोड़ रहे हैं, उनके लिए ज्यादा-से-ज्यादा फंड क्रिएट करके उनको देना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष: आपने हिमाचल प्रदेश से बंदरों को दिल्ली में तो नहीं छोड़ दिया?

श्री अनुराग सिंह ठाकुर : मैडम, यहाँ पर पहले से ही बहुत बंदर हैं।

माननीय अध्यक्ष:

श्री भैंरो प्रसाद मिश्र,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल तथा

डॉ. किरीट पी. सोलंकी को श्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा उठाये गये विषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

Now the House stands adjourned to meet again at 2.20 p.m.